**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 381

उत्‍तर देने की तारीख: 13.12.2018

**विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के मामले**

**381. श्री अनुभव मोहंतीः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि पढ़ाई के भारी दबाव के चलते देश भर के तकनीकी संस्थानों में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं;

(ख) क्या मंत्रालय तनाव के असर को कम करने के लिए ऐसे संस्थानों में छात्रों के लिए

शारीरिक शिक्षा में भाग लेना अनिवार्य करने पर विचार करेगा; और

(ग) यदि हां, तो इस प्रयोजनार्थ मंत्रालय कौन-कौन सी शारीरिक गतिविधियों को शुरू करने का विचार रखता है?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क) से (ग): तकनीकी संस्‍थाओं में आत्‍महत्‍या के मामलों की संख्‍या संबंधी सूचना केंद्रीकृत रूप से नहीं रखी जाती। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परषिद (एआईसीटीई) ने तकनीकी शिक्षा को छात्र-केन्द्रित तथा तनावमुक्‍त बनाने के लिए अवर स्‍नातक और स्‍नातकोत्‍तर पाठ्यक्रमों के लिए परिणाम आधारित मॉडल पाठ्यचर्या की शुरूआत की है जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत के दौरान छात्रों को योग, खेलकूद सहित शारीरिक गतिविधियों की एक नियमित दिनचर्या अपनानी होगी और उन्‍हें निष्‍पादन कला/दृश कला जैसी कलाओं से संबंधित एक विशेष कौशल अपनाने के लिए प्रोत्‍साहित भी किया जाएगा।

मंत्रालय ने सभी एआईसीटीई अनुमोदित तकनीकी संस्‍थाओं में प्रवेश पाए छात्रों के लिए प्रारंभिक कार्यक्रम को अनिवार्य बना दिया है ताकि छात्र तनाव मुक्‍त परिवेश में अध्‍ययन कर सकें और शिक्षण के प्रति प्रतिबद्ध और उत्‍साहित रहें। इसके अलावा, एआईसीटीई ने भविष्‍य में आत्‍महत्‍या मामलों को कम करने हेतु कॉलेजों के लिए एक काउंसलर नियुक्‍त करना अनिवार्य कर दिया है।

**\*\*\*\*\***